No. of Printed Pages : **4**

MES-012

01205

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2017

MES-012 : EDUCATION : NATURE AND PURPOSES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All questions are compulsory.***

(ii) ***All questions carry equal weightage.***

1. Answer the following question in about **600** words.

Explain how education is a process of socialization. Differentiate between the concepts of acculturation and enculturation with examples.

OR

Describe briefly the six theories of knowledge and truth.

2. Answer the following question in about **600** words.

Explain the Parmarthik (ultimate) and Laukik (immediate) aims of education according to Sâmkhya Yoga.

OR

Discuss the influence of Idealism and Realism on Curriculum development. How are these philosophies relevant in the present educational context ?

3. Answer **any four** of these questions in about **150** words each :

(a) "Education is an initiation into what is worthwhile". Explain.

(b) Discuss the characteristics of informal education.

(c) What are the modifications of "Chitta" according to Gyana Yoga ?

(d) Explain the aims of education according to the existentialism.

(e) With examples, explain how emerging societal trends influence curricula.

(f) Discuss Sri Aurobindo's Concept of education as Self-realization.

4. Answer the following question in about **600** words.

Describe the sources of knowledge which you can use in transacting the curriculum in the classroom. Illustrate your answer with suitable examples.

शिक्षा में परास्नातक

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(ii) ***सभी प्रश्नों की भारिता समान है।***

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

   व्याख्या कीजिए, शिक्षा समाजीकरण की प्रक्रिया कैसे है? संस्कृतिकरण एवं सांस्कृतिक-संक्रमण में अन्तर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

   अथवा

   ज्ञान एवं सत्य के छः सिद्धान्तों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

   सांख्य योग के सन्दर्भ में शिक्षा के परमार्थिक तथा लौकिक लक्ष्यों की व्याख्या कीजिए।

   अथवा

   पाठ्यक्रम विकास पर आदर्शवाद तथा यथार्थवाद के प्रभावों का वर्णन कीजिए। वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में ये दर्शन कितने प्रासंगिक है?

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में दें।

(a) "क्या मूल्यवान है, शिक्षा इसका प्रारम्भ है।" स्पष्ट कीजिए।

(b) अनौपचारिक शिक्षा के लक्षणों को स्पष्ट कीजिए।

(c) ज्ञान योग के अनुसार "चित्त" में परिवर्तन क्या हैं?

(d) अस्तित्ववाद के अनुसार शिक्षा के लक्ष्यों की व्याख्या कीजिए।

(e) पाठ्यक्रम को प्रभावित करने वाली अद्यानुतन सामाजिक रीतियों की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए।

(f) आत्मबोध के श्री अरबिन्द के प्रत्यय की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए। कक्षा में पाठ्यचर्या अंतरण में आप किन ज्ञान के स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।